



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

Ch
27/5/86

सं० 457]
No. 457]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अक्तूबर 11, 1985/आश्विन 19, 1907
NEW DELHI, FRIDAY, OCTOBER 11, 1985/ASVINA 19, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके ।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 11 अक्तूबर, 1985

अधिसूचना

में 314/85-से माशुल्क

(ख) उक्त माशुल्क टैरिफ अधिनियम के धारा 3 के अधिनियम
पर उद्घरणों पर संपूर्ण अतिरिक्त शुल्क से,

इस शर्त के अधिनियम रहने हुए छूट देता है कि माशुल्क सहायक
कलक्टर के समाधानप्रद रूप में यह साबित कर दिया जाता है कि उक्त
सांचे या ढाढ़्यों का आयात कृत्रिम प्लास्टिक के वस्तुओं के निर्माण
के लिए किया गया है ।

[फा० सं० 355/204/85-माशुल्क-1]

सं० का० नि० 789(अ) :—केन्द्रीय सरकार, सीमा शुल्क अधिनियम,
1962 (1962 का 52) का धारा 25 का उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त
शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में
ऐसा करना आवश्यक है, सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का
51) को पहले अनुसूची के अध्याय 84 के अन्तर्गत आने वाले सांचों
और ढाढ़्यों को, जब उनका कृत्रिम प्लास्टिक के वस्तुओं के निर्माण
के लिए भारत में आयात किया जाए,—

(क) उक्त पहले अनुसूची में विनिर्दिष्ट उन पर उद्घरणों पर
सीमा शुल्क के उतने भाग में जो 25 प्रतिशत मूल्य को दर में संगणित
रकम में अधिक है; और

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 11th October, 1985

NOTIFICATION

No. 314/85-CUSTOMS

G.S.R. 789(E).—In exercise of the powers con-
ferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs
Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government,

being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts moulds and dies, falling within Chapter 84 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), when imported into India for the manufacture of artificial plastic articles, from—

(a) so much of that portion of the duty of customs leviable thereon which is specified in the said First Schedule, as is in excess of the amount calculated at the rate of 25 per cent *ad valorem*; and

(b) the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act,

subject to the condition that it is proved to the satisfaction of the Assistant Collector of Customs that the said moulds or dies have been imported for the manufacture of artificial plastic articles.

[F. No. 355/204/85-Cus. I]

सं० 315/85-सं.माशुल्क

सांकांति० 790(अ) :—केन्द्र.य सरकार, वित्त अधिनियम, 1985 (1985 का 32) का धारा 43 के उपधारा (4) के साथ पठित सं.माशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) के धारा 25 के उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) का अधिसूचना सं० 158/85-सं.माशुल्क, तारिख 24 मई, 1985 में निम्नलिखित और संशोधन करता है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना का अनुसूची में क्रम सं० 245 और उससे संबंधित प्रविष्टि के पञ्चाङ्ग निम्नलिखित क्रम सं० और प्रविष्टि अनुसूचित की जायेगा, अर्थात् :—

"246 सं० 314/85-सं.माशुल्क, तारिख 11 अक्टूबर, 1985"।

[फा०सं० 355/204/85-सं.माशुल्क-1]

No. 315/85-CUSTOMS

G.S.R. 790(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (4) of section 43 of the Finance Act, 1985 (32 of 1985), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 158/85-Customs, dated the 24th May, 1985, namely :—

In the Schedule to the said notification, after Sl. No. 245 and the entry relating thereto, the following Sl. No. and entry shall be inserted, namely :—

"246. No. 314/85-Customs, dated the 11th October, 1985".

[F. No. 355/204/85-Cus. I]

सं० 316/85-सं.माशुल्क

सांकांति० 791(अ) :—केन्द्र.य सरकार, सं.माशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) का धारा 25 का उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, मिट्टी हटाने का मशीनों के लिये विद्युत् पारेषण प्रणाली के विनिर्माण के लिये अपेक्षित संघटकों को, जब उनका भारत में आयात किया जाये, सं.माशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) के पहले अनुसूची में यथाविनिर्दिष्ट उन पर उद्ग्रहण योग्य माशुल्क के उतने भाग से, जितना मूल्य के 10 प्रतिशत के दर पर संगणित रकम से अधिक है, निम्नलिखित शर्तों के अधीन छूट देता है, अर्थात् :—

- (1) इस अधिसूचना में यथाविष्ट छूट केवल उन संघटकों को लागू होंगे जो उद्योग मंत्रालय के तकनीकी विकास महाविदेशीय के औद्योगिक सलाहकार या अपर औद्योगिक सलाहकार का रैंक से अनूयून अधिकारी और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के निदेशक से अनूयून रैंक के एक अधिकारी, दोनों द्वारा जारी मिट्टी हटाने का मशीनों के लिये विद्युत् पारेषण प्रणाली के विनिर्माण के लिये अपेक्षित के रूप में प्रमाणित संघटकों का सूची में सम्मिलित हैं;
- (2) आयातकर्ता, उद्योग मंत्रालय के तकनीकी विकास महाविदेशीय के औद्योगिक सलाहकार या अपर औद्योगिक सलाहकार का रैंक से अनूयून अधिकारी और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के निदेशक से अनूयून रैंक के एक अधिकारी, दोनों द्वारा जारी किया गया इस आशय का प्रमाणपत्र प्रस्तुत करता है कि उक्त संघटक ऐसे आयातकर्ता द्वारा उद्योग मंत्रालय द्वारा मिट्टी हटाने का मशीनों के लिये विद्युत् पारेषण प्रणाली के विनिर्माण के लिये सहायक रूप से अनुमोदित कार्यक्रम के अधीन आयात किये जा रहे हैं; और
- (3) आयातकर्ता, उस अवधि के भूतत्तर्ज जो सं.माशुल्क सहायक कलक्टर द्वारा इस निमित्त विनिर्दिष्ट की जाये, तकनीकी विकास महाविदेशीय के औद्योगिक सलाहकार या अपर औद्योगिक सलाहकार का रैंक से अनूयून अधिकारी और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के निदेशक से अनूयून रैंक के एक अधिकारी, दोनों द्वारा किया गया इस आशय का प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेगा कि उक्त संघटकों का उपयोग उक्त अनुमोदित कार्यक्रम के अधीन मिट्टी हटाने का मशीनों के लिये विद्युत् पारेषण प्रणाली के विनिर्माण में किया गया है।

2 यह अधिसूचना 31 अक्टूबर, 1986 तक, जिसमें यह दिनांक सम्मिलित है, प्रवृत्त रहेगा।

[फा०सं० 355/276/84-सं.माशुल्क-1]

No. 316/85-CUSTOMS

G.S.R. 791(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts components required for the manufacture of power transmission system for earth-moving machinery, when imported into India, from so much of that portion of the duty of customs leviable thereon which is specified in the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), as is in excess of the amount

calculated at the rate of 40 per cent ad valorem, subject to the following conditions, namely :—

- (1) the exemption contained in this notification shall be applicable only to those components which are covered by the lists thereof, certified both by an officer not below the rank of an Industrial Adviser or an Additional Industrial Adviser in the Directorate General of Technical Development in the Ministry of Industry and by an officer not below the rank of a Director to the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development), to be required for the manufacture of power transmission system for earth-moving machinery;
- (2) the importer produces a certificate issued both by an officer not below the rank of an Industrial Adviser or an Additional Industrial Adviser in the Directorate General of Technical Development in the Ministry of Industry and by an officer not below the rank of a Director to the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development), to the effect that the said components are being imported by such importer under a programme duly approved by the Ministry of Industry for the manufacture of power transmission system for earth-moving machinery; and
- (3) the importer shall, within such period as the Assistant Collector of Customs may specify in this behalf, produce a certificate issued both by an Industrial Adviser or an Additional Industrial Adviser in the said Directorate General of Technical Development and by an officer not below the rank of a Director to the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development), to the effect that the said components have been used in the manufacture of the power transmission system for earth-moving machinery under the said approved programme.

2. This notification shall be in force upto and inclusive of the 31st day of October, 1986.

[F. No. 355/276/84-Cus. I]

सं० 317/85-सं.सा-शुल्क

सां०का०नि० 792(अ) :—केन्द्रिय सरकार, वित्त अधिनियम, 1985 (1985 का 32) की धारा 43 का उपधारा (4) के साथ पठित, सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 का उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 163/85-सं.सा-शुल्क तारीख 24 मई, 1985 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में, क्रम सं० 41 और उसमें संबंधित

प्रविष्टि के पश्चात्, निम्नलिखित क्रम सं० और प्रविष्टि अतः स्थापित की जायेगी, अर्थात् :—

“42 सं० 316/85-सीमा-शुल्क, तारीख 11 अक्टूबर, 1985”।

[फा०सं० 355/276/84-सा-शुल्क-1]

No. 317/85-CUSTOMS

G.S.R. 792(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (4) of section 43 of the Finance Act, 1985 (32 of 1985), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 163-85/Customs, dated the 24th May, 1985, namely :—

In the Schedule to the said notification, after Sl. No. 41 and the entry relating thereto, the following Sl. No. and entry shall be inserted, namely :—

“42. No. 316/85-Customs, dated the 11th October, 1985”.

[F. No. 355/204/85-Cus. I]

सं० 318/85-सं.सा-शुल्क

सां०का०नि० 793(अ) :—केन्द्रिय सरकार, वित्त अधिनियम, 1985 (1985 का 32) की धारा 43 का उपधारा (4) के साथ पठित, सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 का उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 168/85-सं.सा-शुल्क, तारीख 24 मई, 1985 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की मारणां में क्रम सं० 1 और उसमें संबंधित प्रविष्टियों का लोप किया जाएगा ।

[फा०सं० 355/232/85-सं.सा-शुल्क 11]

एस०एन० विभास, अवर सचिव

No. 318/85-CUSTOMS

G.S.R. 793(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (4) of section 43 of the Finance Act, 1985 (32 of 1985), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 168/85-Customs, dated the 24th May, 1985, namely :—

In the Table annexed to the said notification, Sl. No. 41 and the entry relating thereto, shall be omitted.

[F. No. 355/232/85-Cus-I]

M. N. BISWAS, Under Secy.

